प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 2024-25

हिंदी (ब) (कोड संख्या-085)

कक्षा–दसवीं

निर्धारित समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश :

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं–क, ख, ग और घ
- खंड क में अपठित गद्यांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- खंड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्नपत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड–क
(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 7

दुनिया में इस समय दिन दूनी, रात चौगुनी गति से प्रगति हो रही है। कुछ समय पहले तक असंभव सी लगने वाली चीजें आज प्रौद्योगिकी की मदद से सरलता से परिणाम तक पहुँच रही हैं। एक समय संगणक के विकास ने प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव किया था। अब कृत्रिम बौद्धिकता ने चिकित्सा से लेकर हथियारों के निर्माण तक हर क्षेत्र में कंप्यूटर और रोबोट के प्रयोग को नया आयाम दिया है। पारंपरिक कंप्यूटर की दुनिया में इस प्रगति के समानांतर एक और अनुसंधान चल रहा है, जिसका नाम है 'क्वांटम कंप्यूटिंग' यानि अति-सूक्ष्मता का विज्ञान। भारत ने भी अब इस क्षेत्र में गति लाने का ऐलान कर दिया है। भौतिक-शास्त्र के क्वांटम सिद्धांत पर काम करने वाली इस कंप्यूटिंग में असीमित संभावनाएँ देखी जा रही हैं। शोध के लिहाज से यह विषय किसी के लिए भी रुचि का विषय हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार एक पूर्ण विकसित क्वांटम कंप्यूटर की क्षमता सुपर कंप्यूटर से भी ज्यादा आँकी जा रही है। इस क्वांटम कंप्यूटिंग या मैकेनिक्स की खास बात यह है कि इसकी शुरुआत के बाद भारतीय और पश्चिमी वैज्ञानिक यह मान रहे हैं कि भारतीय भाववादी सिद्धांत को जाने बिना कण में चेतना का आकलन नहीं किया जा सकता। क्वांटम भौतिकी और कृत्रिम बौद्धिकता एक तरह से चेतना के भाववादी सिद्धांत को ही अस्तित्व में लाने के उपाय हैं।

प्रश्न–

(क) उपर्युक्त गद्यांश किस विषयवस्तु आधारित है? 1

(*i*) कृत्रिम बौद्धिकता पर (*ii*) दुनिया के विकास पर

(*iii*) संगणक के प्रयोग पर (*iv*) मानव अस्तित्व पर

(ख) दिन दूनी, रात चौगुनी गति से प्रगति हो रही है–पंक्ति से आशय है? 1

(*i*) बहुत ही तेजी से विकास (*ii*) रात दिन काम करना

(*iii*) चारों तरफ विकास होना (*iv*) बहुत अधिक विकास होना

(ग) निम्नलिखित कथन और निष्कर्ष को ध्यान से पढ़कर दिए गए विकल्प से सही उत्तर चुनकर लिखिए– 1

कथन – क्वांटम कंप्यूटर की क्षमता सुपर कंप्यूटर से भी अधिक है।

निष्कर्ष – इससे विकास की गति को अधिक बल मिलेगा।

(*i*) कथन सही है लेकिन निष्कर्ष गलत है। (*ii*) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।

(*iii*) कथन गलत है और निष्कर्ष सही है। (*iv*) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।

(घ) जीवन को सरल बनाने में प्रौद्योगिकी की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। 2

(ङ) अति-सूक्ष्मता का विज्ञान क्या है? 2

2. सूरज हमारी ऊर्जा की सारी कमियों को पूरा कर सकता है। यह एक विशाल रिएक्टर जैसा है। वैज्ञानिकों का प्रयास है कि कृत्रिम सूरज को धरती पर बनाया जाए। इसके लिए ये फ्यूजन तकनीक पर काम कर रहे हैं। सूर्य की चमक इन्सान के लिए हजारों साल से आश्चर्य की वजह रही है। लेकिन करीब सौ साल पहले नई खोज द्वारा पता चला कि सूर्य की बेशुमार ऊर्जा का कारण न्यूक्लियर फ्यूजन है। फिर वैज्ञानिकों ने सोचा कि अगर धरती पर उसी तरह का फ्यूजन कराया जाए जो सूर्य में हो रहा है तो बहुत कुछ बदल जाएगा और लोगों को बेशुमार ऊर्जा मिल जाएगी। आज दुनिया के सबसे बड़े न्यूक्लियर फ्यूजन रिएक्टर में ईंधन परीक्षण को शुरू कर दिया गया है। वैज्ञानिकों की एक टीम फ्रांस में फ्यूजन रिएक्टर को ताकत देने के लिए हाइड्रोजन के एक अत्यंत दुर्लभ रूप की क्षमता का परीक्षण कर रहे हैं। अगर उनका यह परीक्षण सफल होता है तो इससे दुनिया को क्लीन एनर्जी का एक बहुत बड़ा जरिया मिल जाएगा। इससे न केवल जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता घटेगी, बल्कि पर्यावरण को भी लाभ होगा। न्यूक्लियर फ्यूजन लंबे समय तक वातावरण में मौजूद रहने वाले रेडियोधर्मी अपशिष्ट उत्पन्न नहीं करता। यह अक्षय ऊर्जा से भी अधिक विश्वसनीय ऊर्जा स्रोत है। नाभिकीय संलयन द्वारा उत्पन्न ऊर्जा मानवजाति की लंबे समय से चली आ रही खोजों में सबसे महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह तुलनात्मक रूप से काफी स्वच्छ है। अर्थात यह कम कार्बन का उत्सर्जन करती है, साथ ही यह तकनीकी रूप के साथ सौ फीसदी स्वच्छ भी है।

प्रश्न–

(क) उपर्युक्त गद्यांश की विषय-वस्तु है? 1

(*i*) सौर ऊर्जा (*ii*) स्वच्छ ऊर्जा

(*iii*) नाभिकीय ऊर्जा (*iv*) रेडियोधर्मी ऊर्जा

(ख) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1

कथन (A) – न्यूक्लियर फ्यूजन सौर ऊर्जा से भी विश्वसनीय ऊर्जा स्रोत है।

कारण (R) – इससे दुनिया को स्वच्छ ऊर्जा प्राप्त होगी।

(*i*) कथन (A) सही है, कारण (R) गलत है।

(*ii*) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(*iii*) कथन (A) सही है, और कारण (R) उसकी सही व्याख्या है।

(*iv*) कथन (A) गलत है किंतु कारण (R) सही है।

(ग) वैज्ञानिकों द्वारा कृत्रिम सूरज को धरती पर बनाने के पीछे कारण है– 1

(*i*) ऊर्जा की कमी दूर करने के लिए (*ii*) पर्यावरण के लाभ के लिए

(*iii*) प्राकृतिक ऊर्जा संग्रह के लिए (*iv*) फ्यूजन तकनीक को सिद्ध करने के लिए

(घ) सूर्य को असीमित ऊर्जा का स्रोत क्यों माना जाता है? 2

(ङ) नाभिकीय ऊर्जा जीवाश्म ईंधनों से किस प्रकार भिन्न है? 2

खंड–ख
(व्यावहारिक व्याकरण)

3. **पदबंध पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** (4 × 1 = 4)

(क) वज़ीर अली की जांबाजी और साहसिक कारनामों से सभी परिचित थे–वाक्य में से विशेषण पदबंध चुनकर लिखिए। 1

(ख) किसी वाक्य में संज्ञा पदबंध की पहचान कैसे की जाती है, उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए। 1

(ग) सबकी सहायता करने वाले आप आज उदास क्यों हैं–वाक्य में रेखांकित पदबंध का भेद लिखिए। 1

(घ) मैं खेलते-कूदते कक्षा पास कर लेता हूँ–वाक्य में पदबंध का भेद बताते हुए कारण भी स्पष्ट कीजिए। 1

(ङ) क्रिया पदबंध का एक उदाहरण देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1

4. **'रचना के आधार पर वाक्य रूपांतरण' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** (4 × 1 = 4)

(क) 'दादा को तार देने के सिवा तुम्हें और कुछ न सूझेगा'–वाक्य का भेद लिखिए। 1

(ख) भीड़ की अधिकता के कारण पुलिस जुलूस को रोक नहीं सकी–संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए। 1

(ग) उदाहरण द्वारा सरल एवं मिश्र वाक्य में अंतर स्पष्ट कीजिए। 1

(घ) संयुक्त वाक्य में समुच्चयबोधक अव्यय की भूमिका स्पष्ट कीजिए। 1

(ङ) गायन इतना प्रभावी था कि वह अपनी सुध-बुध खोने लगा–वाक्य का भेद बताते हुए कारण स्पष्ट कीजिए। 1

5. **'समास' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** (4 × 1 = 4)

(क) सामासिक पद अन्य व्याकरणिक पदों से किस प्रकार भिन्न होता है? 1

(ख) तत्पुरुष समास में पूर्व पद और उत्तर पद की भूमिका स्पष्ट कीजिए। 1

(ग) 'यथाशक्ति' अव्ययीभाव समास है कैसे? 1

(घ) 'त्रिलोकीनाथ' सामासिक पद का विग्रह करते हुए भेद लिखिए। 1

(ङ) द्विगु समास की विशेषता बताते हुए एक उदाहरण दीजिए। 1

6. **'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए–** (4 × 1 = 4)

(क) भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित होने के लिए ..... करनी पड़ती है। 1

(उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

(ख) समुद्र किनारे शाम को ततांरा रोज वामीरो की ..... था। 1

(उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

(ग) शैलेंद्र का मुरझाया हुआ चेहरा देखकर राज कपूर ने मुस्कराते हुए कहा, "निकालो एक रुपया, पारिश्रमिक पूरा एडवांस।" पंक्ति से मुहावरा चुनकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1

(घ) 'काम तमाम कर देना' और 'धूल में मिला देना' मुहावरे में अंतर स्पष्ट कीजिए। 1

(ङ) 'निराशा के बादल फटना' मुहावरे का वाक्य बनाइए। 1

खंड – घ

(रचनात्मक लेखन)

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए– (1 × 5 = 5)

1. चुनाव में मतदान का महत्त्व
   - चुनाव क्या है • चुनाव की आवश्यकता • मतदान का महत्त्व
2. स्वच्छता में आम आदमी की भूमिका
   - स्वच्छता क्यों आवश्यक • स्वच्छता का स्वास्थ्य पर प्रभाव • हमारी भूमिका
3. यांत्रिक सुविधाओं का पर्यावरण पर प्रभाव
   - यांत्रिक सुविधा से अभिप्राय • यंत्रों की अधीनता • पर्यावरण पर प्रभाव

13. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए–** (1 × 5 = 5)

आप श्याम/दीपशिखा हैं। विद्यालय में भाषा प्रयोगशाला खुलवाने के लिए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए जिससे विद्यार्थी भाषा की ध्वनियों को समझकर श्रवण एवं वाचन कौशल का विकास कर सकें।

अथवा

आप बी–43, आकाश विहार, दिल्ली निवासी सजल/सत्या हैं। हर साल होने वाली 'परीक्षा पर चर्चा' पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

14. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 60 शब्दों में सूचना लिखिए–** (1 × 4 = 4)

आप राहुल/रोशनी हैं। आप अपने स्कूल के विद्यार्थी परिषद के सचिव हैं। आपके स्कूल में अंतर्विद्यालयी वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस विषय में सभी विद्यार्थियों को जानकारी देने हेतु एक सूचना तैयार कीजिए।

अथवा

आप वैशाली निवासी अमर/अवनि हैं। आप अपने क्षेत्र के 'निवासी कल्याण संघ' के सचिव हैं। अपने क्षेत्र में लगने वाले रक्तदान शिविर की जानकारी देते हुए एक सूचना लिखिए।

15. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन लिखिए–** (1 × 3 = 3)

आपने खेल सामग्री की एक नई दुकान खोली है। अपनी दुकान के बारे में जानकारी देते हुए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

'भ्रष्टाचार मुक्त भारत' के विषय में लोगों को जागरूक करते हुए सरकार की ओर से एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

16. 'एक शाम जब मैं घर में बैठी थी तभी अचानक किसी ने जोर से दरवाजा खटखटाया। मैं चौंक गया/गई ....' पंक्ति से लगभग 100 शब्दों में **लघुकथा** लिखिए। (1 × 5 = 5)

अथवा

'आप शमित/संयम हैं। आप लालटेन गंज में रहते हैं। आपके क्षेत्र में पिछले एक महीने से बिजली की गंभीर समस्या चल रही है। इसकी जानकारी देते हुए बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी को लगभग 80 शब्दों में **ई-मेल** लिखिए।

दिल्ली पब्लिक स्कूल, भिलाई

दिनांक : 06.12.2024 | प्रादर्श प्रश्न-पत्र 2024-25 | निर्धारित समय : 3घण्टे

कक्षा : दसवीं | विषय - हिन्दी 'ब' कोड संख्या : 085 | पूर्णांक : 80

नाम : ..... | रोल नंबर : .....

सामान्य निर्देश :

- ❖ इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं – 'क', 'ख' 'ग' और 'घ'
- ❖ खंड 'क' में अपठित गद्यांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनका उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- ❖ खंड 'ख' में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- ❖ खंड 'ग' पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- ❖ खंड 'घ' रचनात्मक लेखन पर आधारित है, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- ❖ प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- ❖ यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड क (वस्तुपरक) अपठित गद्यांश

I. **निम्नलिखित गद्द्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-** (7)

वन प्राकृतिक सुषमा के घर हैं। इन्हीं वनों में अनेक वन्य प्राणियों को आश्रय मिलता है। ये वन ही पर्यटन के आकर्षक स्थल है। बाघ, सिंह, हाथी, चीता तथा इसी प्रकार के अन्य आकर्षक पशु-पक्षी वनों में ही निवास करते हैं। हमारे देश में तो वृक्षों को पूजने की परंपरा है। हमारी संस्कृति में वृक्षारोपण पुण्य का कार्य माना जाता है तथा किसी फलदार अथवा हरे-भरे वृक्ष को काटना पाप है। पुराणों के अनुसार एक वृक्ष लगाने से उतना ही पुण्य मिलता है जितना दस गुणवान पुत्रों का यश। खेद का विषय है कि हम वन संरक्षण के प्रति न केवल उदासीन हो गए हैं वरन् उनकी अंधाधुंध कटाई करके स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं।आज नगरीकरण शैतान की आँत की तरह बढ़ता जा रहा है। बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए आवासीय भूमि तथा उद्योग-धंधों की बढ़ती आवश्यकता ने हमें वनों की सफ़ाई करने पर विवश कर दिया है। परिणामतः आज हमारे देश में वन क्षेत्रों का निरंतर अभाव होता जा रहा है। वनों को काटकर शानदार बस्तियाँ बसाई जा रही है तथा अन्य बड़े-बड़े उद्योग-धंधे स्थापित किए जा रहे हैं जिसका प्रभाव हमारी जलवायु पर पड़ रहा है। आए दिन आने वाली बाढ़, सूखा, भू-क्षरण, पर्वत-स्खलन तथा पर्यावरण की समस्याएँ मानव के विकास की भूमिका बाँध रही है और ये समस्याएँ चेतावनी देती हैं-'हे मनुष्य! अभी समय है ,वनों की अंधाधुंध कटाई मत कर अन्यथा बहुत पछताना पड़ेगा पर मानव है कि उसके कान पर जूँ न रेंगती। वह वनों की कटाई के इन दूरगामी दुष्परिणामों की ओर से आँखें मूँदें बैठा है|

1. निम्नलिखित में से किसका संबंध वनों से नहीं है? 1

(क) वन पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। (ख) वनों में बारिश बहुत कम होती है

(ग) वन प्राकृतिक सुषमा के घर है (घ) वन में वन्य प्राणी रहते है

2. वृक्षारोपण के विषय में कौन-सी बात हमारी संस्कृति तथा पुराणो में नहीं कही गई है? 1

(क)वृक्षारोपण एक पुण्य कार्य है (ख) आवश्यकता पड़ने पर हरे भरे वृक्षों को काटना

(ग) हरे भरे फलदार वृक्षों को काटना पाप है (घ) वृक्षारोपण गुणवान पुत्रों के यश के बराबर है

3. 'कान पर जूँ न रेंगना' मुहावरे का अर्थ है: 1

(क) समझ में न आना (ख) बात न मानना (ग) ज़रा भी असर न पड़ना (घ) सुनी अनसुनी करना

4. आज वनों का काटा जाना हमारी विवशता क्यों है? 2

5. वनों के काटे जाने से हमें कौन- कौन सी समस्याओं का सामना करना पड़ता है? 2

II.निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इस पर आधारित बहुविकल्पीय एवं वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (7)

जो लोग अपनी असफलताओं के लिए या जीवन में गतिरोध के लिए हालातों को जिम्मेदार ठहराते हैं, वे लोग या तो गलत है या हालात से डरते हैं , वे या तो जीवन को समझ नहीं पाए या उलझनों में फंसे हुए हैं , वे या तो आलसी है या अकर्मण्य हैं। एक कारण और भी हो सकता है कि उनकी नीयत और नीति में मेल न हो। यह अति आवश्यक है कि नीयत और नीति दोनों एक सूत्र में पिरोई हुई हों अर्थात् मेल खाती हो पर ऐसा कदापि संभव नहीं है और नीयत मानसिक इच्छा है, जो खोटी भी हो सकती है और खरी भी। खोटी नीयत वाला व्यक्ति कदापि इस संसार में नहीं टिक सकता और यदि टिकेगा, तो बहुत कम समय के लिए, केवल तब तक जब तक उसकी नीयत खुलकर सामने नहीं आती, क्योंकि नीति की जननी नीयत है और जब जननी में ही दोष है, तो संतान में कोई न कोई विकृति अवश्य आ जाएगी। हालातों को असफलता के लिए जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं लगता,क्योंकि हालात तो उनके साथ भी वही होते हैं या लगभग वही होते हैं, जो सफलता प्राप्त करते हैं। यदि कोई व्यक्ति अपनी असफलताओं की जिम्मेदारी खुद नहीं ले सकता, तो वह अपनी .सफलता की २जिम्मेदारी लेने के काबिल नहीं है। जीवन का असली आनंद तो तभी है, जब परिस्थितियाँ विषम हो।

1. किस तरह के लोगों की नीयत और नीति में मेल नहीं रहता है? 1

(क) अकर्मण्य व आलसी लोग (ख) जिम्मेदार ठहराने वाले लोग

(ग) जीवन को न समझने वाले लोग (घ) उपरोक्त सभी

2. खोटी नीयत वाला व्यक्ति इस संसार में क्यों नहीं टिक पाता? 1

(क) अवगुणों के कारण (ख) अभाव के कारण

(ग) गलत नीयत या नीति के कारण (घ) उदारता के कारण

3. निम्नलिखित किस परिणाम का संबंध वनों के काटे जाने से नहीं है? 1

(क) आए दिन आने वाली बाढ़ें (ख) भू-क्षरण (ग) पर्वत -स्खलन (घ) भूदान

4. असफलता के लिए किसे जिम्मेदार ठहराना ठीक नहीं माना गया है ? क्यों ? 2

5. लेखक ने नीति की जननी किसे कहा है ? 2

खंड-'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)

III. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए | 1x4= 4

1. 'तताँरा <u>बहुत बलशाली</u> भी था।' रेखाकिंत में पद है

2. 'वे माँ से कहानी सुनते रहते हैं।' वाक्य में क्रिया पदबंध बताइए |

3. बँगले के पीछे लगा पेड़ गिर गया। वाक्य में रेखांकित पदबंध है

4. विशेषण पदबंध का परिचय उदाहरण सहित दीजिए |

5. मैं तेजी से दौड़ता हुआ घर पहुंचा। रेखांकित में कौन सा पदबंध है?

IV. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 1x4= 4

1. 'बच्चे आए हैं और खेल रहे हैं।' वाक्य-रचना की दृष्टि से है?

2. परिश्रमी व्यक्ति के लिए कुछ भी संभव नहीं है।((संयुक्त वाक्य)

3. चूंकि वह अपराधी था, इसलिए उसे सज़ा मिली।((सरल वाक्य)

4 'चोर को देखकर सिपाही उसे पकड़ने दौड़ा ' वाक्य को मिश्र वाक्य में रूपांतरण कीजिए

5. मिश्र वाक्य को संयुक्त वाक्य में अथवा संयुक्त को सरल वाक्य में बदलने को ... . कहते हैं।

V. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 1x 4= 4

1.'चक्रपाणि' समस्त पद का समास विग्रह करते हुए समास का नाम बताइए ।

2. जिस समास के दोनों पद प्रधान होते है वहां पर कौन सा समास होता है ?

3. कर्मधारय और बहुब्रीहि समास में क्या अंतर है ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

4. समस्त पद और समास विग्रह में क्या अंतर है ?

5. 'आठ अध्यायों का समाहार' समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए।

VI. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 1x4= 4

1. नौकरी क्या लगी मोहन का तो .....हो गया | उचित मुहावरा लिखिए |

2. भाई साहब ऐसी कटु बातें सुनाते कि _____ रह जाता |

3. "आसमान के तारे तोड़ना" मुहावरे का क्या अर्थ है? इसका प्रयोग एक वाक्य में करें।

4. देश के युवकों में राष्ट्र-भक्ति की भावना _____ भर दीजिए |

5.कौन सा मुहावरा सुमेलित नहीं है -

(क) अंधे की लकड़ी - एकमात्र सहारा

(ख) आग में घी डालना - स्थिति को और बिगाड़ना

(ग) ऊंट के मुंह में जीरा - बहुत कम मात्रा में देना

(घ) कलेजे पर सांप लोटना - ज़हरीला साँप लड़ना

खंड 'ग' पाठ्यपुस्तक और पूरक पाठ्यपुस्तक

VII.गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए- 1X5=5

वामीरो के रुदन स्वरों को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची और दोनों को देखकर आग बबूला हो उठी।सारे गाँव वालों की उपस्थिति में यह दृश्य उसे अपमानजनक लगा।इस बीच गाँव के कुछ लोग भी वहाँ पहुँच गए।वामीरो की माँ क्रोध में उफन उठी।उसने तँतारा को तरह-तरह से अपमानित किया| गाँव के लोग भी

तताँरा के विरोध में आवाजें उठाने लगे| यह तताँरा के लिए असहनीय था| वामीरो अब भी रोए जा रही थी | तताँरा भी गुस्से से भर उठा | उसे जहाँ विवाह की निषेध परम्परा पर क्षोभ था वहीं अपनी असहयता पर खीझ | वामीरो का दुख उसे और गहरा कर रहा था। उसे मालूम न था कि क्या कदम उठाना चाहिए? अनायास उसका हाथ तलवार की मूठ पर जा टिका। क्रोध में उसने तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा। क्रोध लगातार अग्नि की तरह बढ़ रहा था।

1. गद्यांश में क्रोध और अग्नि की तुलना क्यों की गई है ?

(क) क्रोध और अग्नि दोनों ही बड़े गर्म होते हैं। (ख) तताँरा का स्वभाव बहुत गुस्सेवाला था।

(ग) क्रोध और अग्नि पर नियंत्रण कठिन है। (घ) वामीरों की माँ और तताँरा दोनों ही गुस्से में

2. तताँरा को गुस्सा क्यों आया ?

(क)वामीरो की माँ ने तताँरा से झगड़ा किया। (ख) उसे विवाह की निषेध परंपरा पर क्षोभ था।

(ग) वामीरो अब विवाह के लिए तैयार न थी। (घ) वामीरो ने तताँरा की सहायता नहीं की।

3.वामीरो की माँ को दृश्य अपमानजनक क्यों लगा ?

(क)माँ को गाँव के समक्ष अपमान महसूस हुआ। (ख) माँ को वामीरो के लिए तँतारा पसंद नहीं था।

(ग)माँ गाँव की परम्परा से बंधी थी| (घ) माँ वामीरो से बहुत प्यार करती थी |

4.'तताँरा वामीरो कथा' समाज की किस समस्या की ओर ध्यान इंगित कराती है?

(क) जातिप्रथा (ख) बेमेलविवाह (ग) विवाह के परम्परागत नियम (घ) बाल-विवाह

5. आग बबूला हो उठने' का क्या अर्थ है?

(क) अत्यधिक क्रोध आना (ख) आग की प्रचंड लपटों की तरह लहराना

(ग) बच्चों कि चिंता करना (घ) बहुत परेशान हो उठना

VIII.पद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के सही उत्तर छाँटिए - 1X5=5

'पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोई।
ऐकै अषिर पीव का, पढ़े सु पंडित होइ ॥
हम घर जाल्या आपणा, लिया मुराड़ा हाथि।
अब घर जालौं तास का, जे चलै हमारे साथि ॥

1. ईश्वर प्रेम के बिना व्यक्ति क्या नहीं बन सकता?

(क) प्रिय (ख) प्रशंसक (ग) ज्ञानी (घ) निंदक

2. ईश्वर प्रेम के कितने अक्षर पढ़ लेने पर मनुष्य सच्चा ज्ञानी बन जाता है?

(क) एक (ख) दो (ग) तीन (घ) चार

3. कवि ने अपने अंदर की बुराइयों को नष्ट किया-

(क) बड़े-बड़े ग्रंथ खोजकर (ख) अपने घर में रहकर

(ग) ज्ञान की जलती लकड़ी से (घ) अज्ञान की जलती अग्नि से

4. कबीरदास जी अपने साथ चलने वाले लोगों के बारे में कह रहे हैं-

(क) उनके अंदर की विषय-वासनाओं को नष्ट करने के लिए (ख) उनको अपने से दूर करने के लिए

(ग) अपने घर जलाने के लिए (घ) दूसरों के घर नष्ट करने के लिए

5. उपर्युक्त काव्यांश में कवि ने मनुष्य को प्रेरणा दी है-

(क) जीवन का संपूर्ण आनंद उठाने वाले (ख) आरामदायक जीवन जीने की

(ग) जीवन को सदुपयोगी बनाने की। (घ) हमेशा संघर्ष करने की

IX. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 3X2=6

1. 'बड़े भाईसाहब ' नामक कहानी से जो प्रेरणा मिलती है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।
2. डायरी का एक पन्ना ' पाठ के आधार पर बताइए कि पुलिस ने कैसा दमनचक्र चलाया और क्यों? लोगों ने किस प्रकार उसका मुँहतोड़ उत्तर दिया ?
3. लेखक के अनुसार सत्य केवल वर्तमान है ,उसी में जीना चाहिए | लेखक ने ऐसा क्यों कहा होगा ? पाठ के आधार पर लिखिए|
4. वजीर अली एक जाबाँज़ सिपाही था , पाठ के आधार उसकी वीरता उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए |

X. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 3X2=6

1. पावस ऋतु में प्रकृति में कौन- कौन से परिवर्तन आते हैं? कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
2. ' मनुष्यता' कविता के आधार पर आदर्श मानवता पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए।
3. भाव भक्ति को जागीर क्यों कहा गया है ?
4. 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया' -इस पंक्ति में हिमालय किसका प्रतीक है?इस पंक्ति के द्वारा कवि क्या कहना चाहता है ?

XI. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए - 2X3=6

1. 'हरिहर काका ' पाठ के आधार पर लिखिए कि स्वार्थ- लिप्सा के कारण आजकल पारिवारिक संबंध कैसे बिगड़ते हैं?
2. टोपी और इफफन की दादी अलग-अलग मजहब और जाति के होने पर भी एक अनजान अटूट रिश्ते से बंधे थे | इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए |
2. 'सपनों के -से दिन पाठ के आधार पर बताइए कि स्कूल की छुट्टियों के शुरू और आखिरी दिनों में बच्चों की दृष्टि में क्या अंतर होता था? क्या यही स्थिति आपकी भी होती है? अपने

विचार लिखिए।

खंड-' घ 'रचनात्मक लेखन

XII. निम्न में से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए| 5

(क़) मेरे सपनों का भारत (संकेत बिंदु - कैसा है , क्या अपेक्षा है , आपका कर्त्तव्य)

(ख) देव - देव आलसी पुकारा (संकेत बिंदु - कथन का अर्थ, आलस्य सबसे बड़ा शत्रु , कर्म से सफलता

(ग) कृत्रिम बौद्धिकता(आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस) के बढ़ते कदम (संकेत बिंदु - क्या है,बढ़ता प्रभाव,दुष्प्रभाव)

XIII. अपने क्षेत्र में फैली गंदगी के विषय में सूचित करते हुए नगर - निगम आयुक्त को पत्र लिखिए | 5

अथवा

समाज में बढ़ते अपराधों को रोकने के लिए नागरिकों को जागरूक करने का आग्रह करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए |

XIV. आपका विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित कर रहा है I विद्यार्थी संघ के सचिव की ओर से नोटिस बोर्ड पर लगाने के लिए सूचना तैयार कीजिए | 4

अथवा

अपने क्षेत्र के 'निवासी कल्याण संघ' के सचिव की ओर से अपने क्षेत्र में लगने वाले रक्तदान शिविर की जानकारी देते हुए सूचना तैयार कीजिए I

XV. खेल सामग्री की दुकान का प्रचार करने हेतु एक विज्ञापन तैयार कीजिए । 3

अथवा

मतदान हेतु प्रेरित करने वाला एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

XVI. 'जैसा करोगे वैसा भरोगे' शीर्षक पर आधारित एक लघुकथा लिखिए| 5

अथवा

आप राजेन्द्र नगर निवासी अजय हैं | अपने क्षेत्र में विद्युत की अनियमित आपूर्ति की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए विद्युत आपूर्ति विभाग के महानिदेशक को शिकायती ई -मेल लिखिए|

दिल्ली पब्लिक स्कूल, भिलाई

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 2024-25

कक्षा-दसवीं हिन्दी-ब (कोड 085)

निर्धारित समय: 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश-

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं - क, ख, ग और घ
- खंड क में अपठित गद्यांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- खंड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खण्ड- क

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर इसके आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (7)

मुंशी प्रेमचंद का जीवन अनुशासित था। वे सवेरे ही उठ जाते थे और नित्यकर्म से निवृत्त होकर एक घंटे घूमने जाते थे। वे अकसर स्कूल के अहाते में ही घूम लेते थे। लौटकर वे घर के ज़रूरी काम निपटाते थे। वे अधिकांश काम स्वयं करते थे। नौकर से अधिक काम लेना उन्हें पसंद न था। अपना बिस्तर स्वयं उठाते, अपनी धोती स्वयं धोते। वे अपनी आदत नहीं बिगाड़ना चाहते थे। उन्हें वह समय सदा याद रहता था कि कभी वे स्वयं पाँच रुपये के नौकर थे। उनका मानना था कि जिस आदमी के हाथ में काम करने के घट्टे न पड़े हों, उसे खाना खाने का अधिकार नहीं है। उन्हें काम करने में रत्ती भर भी शर्म महसूस नहीं होती थी। वे बकरी के सामने पत्ती तोड़कर डाल देते थे और गाय की सानी भी कर देते थे। कमरे-बरामदे में झाड़ू लगा देना, पत्नी के बीमार होने पर चूल्हा जला देना, बच्चों को तैयार कर दूध पिला देना आदि काम वे प्राय: कर लेते थे। स्वयं हल्का-सा नाश्ता करके लिखने बैठ जाते थे। लिखने के लिए उन्हें प्रात:काल पसंद था। स्कूल का समय होने तक वे लिखते रहते, फिर कपड़े बदलकर ठीक समय पर स्कूल जा पहुँचते। वे समय के बहुत पाबंद थे। वे छात्रों के सामने अच्छा उदाहरण रखना चाहते थे। समय बर्बाद करना वे बहुत बड़ा गुनाह मानते थे। उनका विचार था कि समय की पाबंदी के बिना कोई जाति तरक्की नहीं कर सकती।

(क) उपर्युक्त गद्यांश किस विषय-वस्तु पर आधारित है? (1)

(i) मुंशी प्रेमचंद की साहित्यिक कृतियाँ
(ii) मुंशी प्रेमचंद का अनुशासित जीवन
(iii) भारतीय समाज में समय का महत्त्व
(iv) साहित्यकारों का दैनिक जीवन

(ख) गद्यांश के अनुसार, प्रेमचंद सबसे बड़ा गुनाह किसे मानते थे? (1)

(i) घर के काम करना
(ii) समय को नष्ट करना
(iii) किसी के सामने झुकना
(iv) नौकर से काम लेना

(ग) **कथन** (A) मुंशी प्रेमचंद को नौकरों से अधिक काम लेना पसंद नहीं था।
कारण (R) उन्हें हर समय याद रहता था कि वे स्वयं भी कभी नौकर थे। (1)

कूट

(i) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ii) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(iii) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) गलत है।
(iv) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।

(घ) प्रेमचंद के अनुसार कैसे व्यक्ति को खाने का अधिकार नहीं है? (2)

(ङ) प्रेमचंद द्वारा अपना काम स्वयं करना किस बात का द्योतक है? (2)

प्रश्न 2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (7)

आज हम एक स्वतंत्र राष्ट्र की स्थिति प्राप्त कर चुके हैं, राष्ट्र की अनिवार्य विशेषताओं में दो हमारे पास हैं, भौगोलिक अखंडता और सांस्कृतिक एकता। परंतु अब तक हम उस वाणी को प्राप्त नहीं कर सके हैं, जिसमें एक स्वतंत्र राष्ट्र दूसरे राष्ट्रों को अपना परिचय देता है। बहुभाषा-भाषी देश तो और भी अनेक हैं, परंतु उनकी अविच्छिन्न स्वतंत्रता की तुलना में भारत विषम पराधीनता को झेलता रहा है। हमारी परतंत्रता भी आँधी-तूफान के समान नहीं आई। वह तो रोग के कीटाणु लाने वाले मंद समीर के समान साँस में समाकर शरीर में व्याप्त हो गई है। हमें यह ऐतिहासिक सत्य भी विस्मृत हो गया कि कोई विजेता विजित देश पर राजनीतिक प्रभुत्व पाकर ही संतुष्ट नहीं होता, क्योंकि सांस्कृतिक प्रभुत्व के बिना राजनीतिक विजय न पूर्ण है, न स्थायी। घटनाएँ संस्कारों में चिर जीवन पाती हैं और संस्कार के अक्षय वाहक शिक्षा, साहित्य, कला आदि हैं। दीर्घकाल से विदेशी भाषा हमारे विचार-विनिमय और शिक्षा का माध्यम ही नहीं रही। वह हमारे विद्वान और सुसंस्कृत होने का प्रमाण भी मानी जाती रही है। ऐसी स्थिति में यदि हममें से अनेक उसके अभाव में जीवित रहने की कल्पना से सिहर उठते हैं, तो आश्चर्य की बात नहीं। पर रोग की स्थिति को स्थायी मानकर तो चिकित्सा संभव नहीं होती। राष्ट्र-जीवन की पूर्णता के लिए उनके मनोजगत को मुक्त करना होगा और यह कार्य विशेष प्रयत्नसाध्य है, क्योंकि शरीर को बाँधने वाली शृंखला से आत्मा को जकड़ने वाली शृंखला अधिक दृढ़ होती है।

(क) सांस्कृतिक प्रभुत्व के बिना राजनीतिक विजय न पूर्ण है, न स्थायी। पंक्ति के माध्यम से लेखक एक राष्ट्र की ..... को अनिवार्य तत्त्व बता रहे हैं। (1)

(i) सांस्कृतिक एकता
(ii) राजनीतिक एकता
(iii) भौगोलिक अखंडता
(iv) सांस्कृतिक और राजनीतिक एकता

(ख) कोई राष्ट्र राजनीतिक प्रभुत्व पाकर भी संतुष्ट क्यों नहीं होता है? (1)

(i) क्योंकि समाज में वह अधिक पाना चाहता है।
(ii) क्योंकि सांस्कृतिक प्रभुत्व के बिना राजनीतिक विजय पूर्ण और स्थायी नहीं होती।
(iii) क्योंकि दीर्घकाल से गुलामी झेलकर राजनीति में पूर्ण विजय प्राप्त नहीं होती।
(iv) क्योंकि केवल राजनीतिक सफलता से आर्थिक स्वतंत्रता नहीं मिलती।

(ग) **कथन** भारत ने विदेशी भाषा को विद्वता का प्रमाण मान लिया है।
निष्कर्ष विदेशी भाषा से भारतीय शिक्षा और सांस्कृतिक पहचान प्रभावित हो रही है। (1)

(i) कथन सही है, लेकिन निष्कर्ष गलत है।
(ii) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।
(iii) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं।
(iv) कथन गलत है, लेकिन निष्कर्ष सही है।

(घ) हमारे राष्ट्र में राष्ट्रभाषा के प्रतिष्ठित न हो सकने का मुख्य कारण क्या था? (2)

(ङ) राष्ट्र जीवन की पूर्णता के लिए क्या आवश्यक है? (2)

खण्ड - ख

प्रश्न 3 *निर्देशानुसार पदबंध पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* 1×4=4

(क) 'मुझे यहाँ शोर सुनाई दे रहा है।' रेखांकित वाक्यांश के पदबंध का भेद बताइए। (1)

(ख) 'परम दानी राजा रंतिदेव ने एक भूखे व्यक्ति को अपनी भोजन की थाली दे दी थी।' वाक्य में विशेषण पदबंध बताइए। (1)

(ग) क्रिया-विशेषण पदबंध का एक उदाहरण दीजिए तथा क्रिया-विशेषण पदबंध को रेखांकित कीजिए। (1)

(घ) 'तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी।' रेखांकित वाक्यांश में कौन-सा पदबंध है? (1)

(ङ) शेर की तरह दहाड़ने वाले तुम क्यों काँप रहे हो? इस वाक्य में कौन-सा पदबंध है? (1)

प्रश्न 4 *निर्देशानुसार वाक्य रूपांतरण पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* 1×4=4

(क) 'वजीर अली के जन्म को सआदत अली ने अपनी मौत माना।' प्रस्तुत वाक्य का संयुक्त वाक्य क्या होगा? (1)

(ख) 'जब राजा घर आया तो रोहित चला गया।' प्रस्तुत वाक्य को सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए। (1)

(ग) 'जिस खिलाड़ी ने शतक लगाया था उसे 'मैन ऑफ द मैच' दिया गया।' प्रस्तुत वाक्य को रचना के आधार पर सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए। (1)

(घ) 'अधिकारियों की मिलीभगत से हरे पेड़ काटे जा रहे हैं।' प्रस्तुत वाक्य को रचना के आधार पर मिश्रित वाक्य में बदलिए। (1)

(ङ) 'अंग्रेज़ी पढ़ने वाला विद्वान बनता है।' वाक्य को मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए। (1)

प्रश्न 5 *निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* 1×4=4

(क) 'वचनामृत' पद में कौन-सा समास प्रयुक्त है? (1)

(ख) 'चौराहा' शब्द का सही समास-विग्रह क्या है? इसमें कौन-सा समास प्रयुक्त है? (1)

(ग) 'स्वर्गनरक' समस्तपद का विग्रह कीजिए। (1)

(घ) 'देशोद्धार' शब्द का समास-विग्रह कीजिए और समास बताइए। (1)

(ङ) 'शोकमग्न' शब्द में कौन-सा समास है? (1)

प्रश्न 6 *निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* 1×4=4

(क) "विजय ने मंच पर आने के बाद तो मानों जैसे गागर में सागर ही भर दी।" पंक्ति से मुहावरा चुनकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)

(ख) 'गढ़ फतह करना' मुहावरे का अर्थ क्या है? इसका वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)

(ग) सही मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य को पूरा करें। (1)
गाँधीजी में देश सेवा की भावना ..... थी।

(घ) 'भयंकर शत्रु' के लिए उपयुक्त मुहावरा क्या है? इसका वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)

(ङ) रेखांकित अंश के लिए कौन-सा मुहावरा सही होगा? (1)
"पिछले कई वर्षों से कंपनी बहुत ऊँचाई पर पहुँच गई है।"

खण्ड- ग

प्रश्न 7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प को चुनकर लिखिए 5×1=5

मेरी माँ कहती थी, सूरज ढले आँगन के पेड़ों से पत्ते मत तोड़ो, पेड़ रोएँगे। दीया-बत्ती के वक्त फूलों को मत तोड़ो, फूल बद्दुआ देते हैं।....दरिया पर जाओ तो उसे सलाम किया करो, वह खुश होता है। कबूतरों को मत सताया करो, वे हजरत मुहम्मद को अज़ीज़ हैं। उन्होंने उन्हें अपनी मजार के नीले गुंबद पर घोंसले बनाने की इजाजत दे रखी है। मुर्गे को परेशान नहीं किया करो, वह मुल्ला जी से पहले मोहल्ले में अजान देकर सबको सवेरे जगाता है।

सबकी पूजा एक-सी, अलग-अलग है रीत।
मस्जिद जाए मौलवी, कोयल गाए गीत।।

(क) गुंबद से क्या तात्पर्य है? (1)

(i) इमारत का अर्द्ध-गोलाकार शिखर
(ii) लोगों का समूह
(iii) पक्षियों के रहने का स्थान
(iv) नदियों की समतल भूमि

(ख) माँ ने शाम के समय पेड़ों से पत्ते न तोड़ने के पीछे क्या तर्क दिया? (1)

(i) उस समय पेड़ सोते हैं
(ii) उस समय पेड़ दूसरी दुनिया में होते हैं
(iii) ऐसा करने से पेड़ रोते हैं
(iv) उस समय पेड़ ध्यान लगाते हैं

(ग) **कथन** (A) लेखक की माँ कबूतरों को सताने और मुर्गे को परेशान करने से मना करती है। (1)
कारण (R) लेखक की माँ के मन में पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम भरा था।

(i) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(ii) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(iii) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
(iv) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

(घ) माँ के अनुसार, दीया-बाती के समय फूल तोड़ने से क्या होता है? (1)

(i) फूल मुरझा जाते हैं
(ii) फूल बद्दुआ देते हैं
(iii) फूल अपने-आप गिर जाते हैं
(iv) फूलों की सुगंध समाप्त हो जाती है

(ङ) दरिया पर जाओ, तो उसे सलाम करो, वह खुश होता है, कबूतरों को मत सताया करो, वे हजरत मुहम्मद को अज़ीज हैं। दीया-बत्ती के वक्त फूलों को तोड़ने से वे बद्दुआ देते हैं। पंक्ति के माध्यम से ज्ञात होता है कि लेखक की माँ (1)

(i) प्रकृति से अत्यंत प्रेम करती है
(ii) मन में प्राणी मात्र के प्रति दया-भाव रखती है
(iii) पशु-पक्षियों की रक्षा करना अपना कर्त्तव्य मानती है
(iv) उपरोक्त सभी

प्रश्न 8. *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए।* 2×3=6

(क) वामीरो पर तताँरा का प्रभाव जम चुका था, उसकी आँखों के सामने बार-बार तताँरा का चेहरा आ जाता। उसने तताँरा के विषय में बहुत-सी बातें सुनी थीं, किंतु वह उन सबसे अलग था। 'तताँरा-वामीरो कथा' पाठ के आधार पर तताँरा के स्वभाव की विशेषता बताइए। (2)

(ख) सिपाही किससे तंग आ गए थे और क्यों? 'कारतूस' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (2)

(ग) चाय पीने की प्रक्रिया ने लेखक के दिमाग की गति धीमी कैसे कर दी? 'पतझर में टूटी पत्तियाँ' पाठ के आधार पर बताइए। (2)

(घ) धर्म तल्ले के मोड़ पर जुलूस टूटने का क्या कारण था? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर बताइए। (2)

प्रश्न 9. *निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।* (1×5=5) 1×5=5

गिरि का गौरव गाकर झर-झर
मद में नस-नस उत्तेजित कर
मोती की लड़ियों-से सुंदर
झरते हैं झाग भरे निर्झर!
गिरिवर के उर से उठ-उठ कर
उच्चाकाँक्षाओं से तरुवर
हैं झाँक रहे नीरव नभ पर
अनिमेष, अटल, कुछ चिंतापर।

(क) झरने की आवाज सुनकर कवि की नस-नस में जोश भर जाता है। इससे ज्ञात होता है कि कवि ..... है। (1)
(*i*) उदासीन (*ii*) उत्साही (*iii*) उमंग से भरपूर (*iv*) (ii) और (iii) दोनों

(ख) पर्वतों से बहने वाले झरनों की आवाज सुनकर कवि को कैसा लगता है? (1)
(*i*) मानो वे पर्वतों का गुणगान कर रहे हों (*ii*) मानो वे अपनी सुंदरता का गुणगान कर रहे हों
(*iii*) मानो वे संसार में सबसे अधिक शक्तिशाली हों (*iv*) मानो उनके समान कोई दूसरा न हो

(ग) झाग भरा किसे कहा गया है? (1)
(*i*) बादल को (*ii*) निर्झर को
(*iii*) गिरि को (*iv*) नभ को

(घ) पेड़ शांत आकाश को किस प्रकार निहार रहे हैं? (1)
(*i*) ऊँचा उठकर (*ii*) बिना पलक झपकाए (*iii*) प्रसन्न भाव से (*iv*) निराशापूर्ण भाव से

(ङ) **कथन** (A) पहाड़ों पर उगे पेड़ शांत आकाश को निहार रहे हैं।
कारण (R) पेड़ों के मन में ऊँची आकांक्षाएँ छिपी हैं और वे आकाश के रहस्यों को जानना चाहते हैं। (1)
(*i*) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(*ii*) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(*iii*) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(*iv*) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

प्रश्न 10. *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए।* (2×3=6) 2×3=6

(क) कवि ने लक्ष्मण रेखा को माध्यम बनाकर कौन-सी बात कही थी? 'कर चले हम फ़िदा' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। (2)

(ख) कवि के अनुसार, मनुष्य की मृत्यु गौरवशाली होनी चाहिए। 'मनुष्यता' पाठ के आधार पर गौरवशाली मृत्यु किसे कहा गया है? (2)

(ग) मीरा की विरह की व्याकुलता का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए। (2)

(घ) 'आत्मत्राण' शीर्षक की सार्थकता कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। (2)

प्रश्न 11. *निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में दीजिए।* (3×2=6) 3×2=6

(क) दो साल लगातार फेल होने पर अब्दुल वहीद ने टोपी को ऐसी तीखी बात बोली कि टोपी ने इस वर्ष पास होने की कसम खा ली और हुआ भी यही। असफलता के परिणामस्वरूप मनुष्य में परिवर्तन आता है। अपने जीवन की किसी घटना का उल्लेख 'टोपी शुक्ला' पाठ के आधार पर कीजिए। (3)

(ख) लेखक के अनुसार, बचपन में सभी बच्चों का एक जैसा हाल होता है। मध्यमवर्गीय परिवार के बच्चे छोटी-छोटी गलियों में कूदते-फिरते तथा भागने-दौड़ने पर हाथ-पैर छिलने पर कोई परवाह नहीं करते, बल्कि परिवार वालों से डाँट ही पड़ती थी। 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर बताइए कि वर्तमान समय में बच्चों के बचपन में तथा अभिभावकों के व्यवहार में क्या परिवर्तन आ गया है? (3)

(ग) "हरिहर काका एक नए शोषित वर्ग के प्रतिनिधि के रूप में दिखाई देते हैं," इस कथन पर अपने तर्क प्रस्तुत करते हुए विचार व्यक्त कीजिए। (3)

खण्ड- घ

प्रश्न 12 *निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।* 5

(क) **मेरे जीवन का लक्ष्य**

संकेत बिंदु
- जीवन में लक्ष्य की आवश्यकता
- आपका लक्ष्य क्या है?
- लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रयास
- सफल होकर समाज के लिए क्या करोगे?
- उपसंहार

(ख) **प्राकृतिक आपदा : भूकंप**

संकेत बिंदु
- भूकंप के कारण
- भूकंप के प्रकोप
- भूकंप के प्रभाव
- उपसंहार

(ग) **समाचार-पत्र और भारत**

संकेत बिंदु
- समाचार-पत्रों का महत्त्व
- समाचार-पत्रों की पहुँच
- समाचार-पत्रों की संयमित भूमिका
- उपसंहार

प्रश्न 13 बिजली अधिकारियों का ध्यान बिजली वितरण की अव्यवस्था की ओर आकर्षित करने के लिए प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। 5

अथवा

मनीऑर्डर खो जाने की शिकायत करते हुए तिलक नगर क्षेत्र, दिल्ली के डाकपाल को लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

प्रश्न 14 आपकी एक महत्त्वपूर्ण पुस्तक विद्यालय में कहीं खो गई है। उसे लौटाने की अपील करते हुए 60 शब्दों में एक सूचना लिखिए। 4

अथवा

आप बाल भवन के निदेशक अतुल अग्निहोत्री हैं। ग्रीष्मावकाश में बाल भवन द्वारा आयोजित बाल चित्रकला कार्यशाला के लिए 60 शब्दों में एक सूचना लिखिए।

प्रश्न 15 'साधना स्वयंसेवी संस्था' की ओर से एक विज्ञापन 40 शब्दों में लिखिए। 3

अथवा

'नेत्रदान महादान' विषय को आधार बनाकर 40 शब्दों में विज्ञापन लिखिए।

प्रश्न 16 आप नमन शर्मा/नेहा शर्मा हैं। आपसे आपकी आय से ज्यादा आयकर लिया जा रहा है। इस विषय पर आयकर अधिकारी को सूचित करते हुए एक ई-मेल लगभग 80 शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

'चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात' उक्ति को आधार बनाकर लगभग 100 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

—o—

①

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र 2024-25

दिल्ली पब्लिक स्कूल, भिलाई

कक्षा-दसवीं हिन्दी-ब (कोड 085)

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश-

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं – क, ख, ग और घ
- खंड क में अपठित गदयांश से प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए ।
- खंड ख में व्यावहारिक व्याकरण से प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- खंड ग पाठ्यपुस्तक पर आधारित है, निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।
- खंड घ रचनात्मक लेखन पर आधारित है आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- प्रश्न पत्र में कुल 16 प्रश्न हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य है।
- यथासंभव सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खण्ड - क

प्रश्न 1. *निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* (7)

आधुनिक युग में योग का महत्त्व बढ़ गया है। इसके बढ़ने का कारण व्यस्तता और मन की व्यग्रता है। यदि मनुष्य शारीरिक रूप से स्वस्थ है, तो वह संसार में रहकर जीवन का सुख भोग सकता है और अपने सभी कर्त्तव्यों एवं मनोकामनाओं को पूर्ण कर सकता है। शरीर ही वह माध्यम है, जिसके द्वारा हम अपने सभी कार्यों को संपन्न कर सकते हैं, इसलिए अपने शरीर को स्वस्थ रखना हमारा प्रथम कर्त्तव्य है और इसके लिए हम योग का सहारा ले सकते हैं।

योग प्राचीन समय से ही भारतीय संस्कृति का अंग रहा है। हमारे पूर्वजों ने बहुत समय पहले ही इसका आविष्कार कर इसके महत्त्व को पहचान लिया था, इसलिए योग पद्धति सदियों बाद भी जीवित है। योग करने से व्यक्ति का शरीर सुगठित और सुडौल बनता है। योग से न केवल तन की थकान दूर होती है, बल्कि मन की थकान भी दूर हो जाती है। योग करने वाला व्यक्ति अपने अंग-प्रत्यंग में एक नए उत्साह एवं स्फूर्ति का अनुभव करता है। योग करने से शरीर के प्रत्येक अंग में रक्त का संचार सुचारु रूप से होता है तथा शरीर रोगमुक्त रहता है।

(क) उपर्युक्त गद्यांश किस विषयवस्तु पर आधारित है? (1)

(i) मनुष्य की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ *(ii)* प्राचीन भारतीय सभ्यता और योग
(iii) आधुनिक युग में योग का महत्त्व *(iv)* हमारा खानपान और शारीरिक व्यायाम

(ख) योग करने से मनुष्य को क्या लाभ होता है? (1)

(i) शरीर रोगमुक्त रहता है *(ii)* नए उत्साह व स्फूर्ति का संचार होता है
(iii) मन की थकान दूर होती है *(iv)* ये सभी

(ग) कथन (A) आधुनिक युग में योग का महत्त्व स्वीकार किया जाने लगा है। (1)

कारण (R) आधुनिक युग में व्यस्तता और मन की व्याकुलता बढ़ने लगी है।

कूट

(i) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
(ii) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(iii) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), कथन (A) की गलत व्याख्या करता है।
(iv) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(घ) 'योग प्राचीनकाल से भारतीय संस्कृति का अंग रहा है' प्रस्तुत कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। (2)

(ङ) प्रस्तुत गद्यांश से हमें क्या संदेश मिलता है? (2)

P.T.O.

प्रश्न 2. *निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* (7)

गीता के इस उपदेश की लोग प्राय: चर्चा करते हैं कि कर्म करें, फल की इच्छा न करें। यह कहना तो सरल है पर पालन करना उतना सरल नहीं। कर्म के मार्ग पर आनंदपूर्वक चलता हुआ उत्साही मनुष्य यदि अंतिम फल तक न भी पहुँचे तो भी उसकी दशा कर्म न करने वाले की अपेक्षा अधिकतर अवस्थाओं में अच्छी रहेगी, क्योंकि एक तो कर्म करते हुए उसका जो जीवन बीता वह संतोष या आनंद में बीता, उसके उपरांत फल की अप्राप्ति पर भी उसे यह पछतावा न रहा कि मैंने प्रयत्न नहीं किया। फल पहले से कोई बना-बनाया पदार्थ नहीं होता। अनुकूल प्रयत्न-कर्म के अनुसार, उसके एक-एक अंग की योजना होती है। किसी मनुष्य के घर का कोई प्राणी बीमार है। वह वैद्यों के यहाँ से तब तक औषधि ला-लाकर रोगी को देता जाता है, जब तक उसके चित्त में संतोष रहता है, प्रत्येक नए उपचार के साथ जो आनंद का उन्मेष होता रहता है, यह उसे कदापि प्राप्त न होता, यदि वह रोता हुआ बैठा रहता। प्रयत्न की अवस्था में उसके जीवन का जितना अंश संतोष, आशा और उत्साह में बीता, अप्रयत्न की दशा में उतना ही अंश केवल शोक और दु:ख में कटता। इसके अतिरिक्त रोगी के न अच्छे होने की दशा में भी वह आत्मग्लानि के उस कठोर दु:ख से बचा रहेगा, जो उसे जीवनभर यह सोच-सोचकर होता कि मैंने पूरा प्रयत्न नहीं किया।

कर्म में आनंद अनुभव करने वालों का नाम ही कर्मण्य है। धर्म और उदारता के उच्च कर्मों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनंद भरा रहता है कि कर्ता को वे कर्म ही फलस्वरूप लगते हैं। अत्याचार का दमन और शमन करते हुए कर्म करने से चित्त में जो तुष्टि होती है, वही लोकोपकारी कर्मवीर का सच्चा सुख है।

(क) कर्मवीर का सुख किसे माना गया है? (1)

(i) अत्याचार का दमन *(ii)* कर्म करते रहना

(iii) कर्म करने से प्राप्त संतोष *(iv)* फल के प्रति तिरस्कार भावना

(ख) 'कर्म में आनंद अनुभव करने वालों का नाम ही कर्मण्य है' पंक्ति के माध्यम से लेखक मनुष्य को किसके लिए प्रेरित कर रहे हैं? (1)

(i) कर्म करने हेतु *(ii)* फल की इच्छा करने हेतु

(iii) अकर्मण्य बने रहने हेतु *(iv)* प्रतीक्षा करने हेतु

(ग) **कथन** कर्म न करने से मनुष्य शोक और दु:ख में फँसा रहता है।
निष्कर्ष प्रयत्न न करने वाले को मानसिक शांति और संतोष की प्राप्ति नहीं होती। (1)

(i) कथन सही है, लेकिन निष्कर्ष गलत है।
(ii) कथन और निष्कर्ष दोनों सही हैं।
(iii) कथन गलत है, लेकिन निष्कर्ष सही है।
(iv) कथन और निष्कर्ष दोनों गलत हैं

(घ) कर्म करने वाले को फल न मिलने पर भी पछतावा क्यों नहीं होता? (2)

(ङ) घर के बीमार सदस्य का उदाहरण किस संदर्भ में दिया गया है? (2)

खण्ड - ख

प्रश्न 3. पदबंध पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर लिखिए - (4×1=4)

(क) उसने तताराँ को तरह-तरह से अपमानित किया। रेखांकित पदबंध का भेद बताकर कारण सहित उत्तर दीजिए।

(ख) वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।

(ग) लेखक के अधिकांश मित्र हरियाणा या राजस्थान के मूल निवासी थे। रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।

(घ) आप जल्दी से अपने-अपने बिलों में चलो, फ़ौज़ आ रही है। रेखांकित पदबंध का भेद बताइए।

(ङ) समय का सदुपयोग करने वाले लोग कभी असफल नहीं होते। (वाक्य में विशेषण पदबंध चुनकर लिखिए और यह भी बताइए कि किसी वाक्य में विशेषण पदबंध की पहचान कैसे की जाती है?

P.T.O.

प्रश्न 4. रचना के आधार पर 'वाक्य रूपांतर०' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (4×1=4)

(क) वे जंगल में प्रवेश कर गए और अँधेरा बढ़ने लगा। प्रस्तुत वाक्य को सरल वाक्य में रूपांतरित कीजिए।

(ख) उदाहरण द्वारा सरल और संयुक्त वाक्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ग) जैसे ही सूर्योदय हुआ, वैसे ही कुहासा जाता रहा। वाक्य का भेद बताते हुए कारण स्पष्ट कीजिए।

(घ) संयुक्त वाक्य का उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए कि इसमें समुच्चयबोधक अव्यय का कौन सा भेद प्रयुक्त होता है?

(ङ.) परिश्रमी मनुष्य के लिए इस संसार में कुछ भी दुर्लभ नहीं है। प्रस्तुत वाक्य को मिश्र वाक्य में परिवर्तित कीजिए।

प्रश्न 5. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (4×1=4)

(क) समास का शाब्दिक अर्थ क्या है? बताइए।

(ख) 'नीलकमल' में कर्मधारय समास है। कारण बताते हुए स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'सुख-दुःख' में कौन सा समास है और क्यों?

(घ) 'यथाविधि' में अव्ययीभाव समास कैसे है? स्पष्ट कीजिए।

(ङ.) 'सप्ताह' शब्द का विग्रह होगा (सात दिनों का समाहार) समास का भेद बताइए बताते हुए कारण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 6. 'मुहावरे' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए (4×1=4)

(क) उसने बिना सोचे-समझे ऐसा गैरा नत्थू खैरा की तरह काम किया, जिससे सबको परेशानी हुई। पंक्ति से मुहावरा चुनकर वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(ख) 'प्राणों की परवाह नहीं करना' के लिए उपयुक्त मुहावरा लिखिए।

(ग) 'धज्जियाँ उड़ाना' मुहावरे का अर्थ लिखकर उसका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(घ) सोहन तो निपट मूर्ख है, उसे कितना भी समझा लो उसकी समझ में कुछ नहीं आता है। रेखांकित अंश के लिए उपयुक्त मुहावरे का प्रयोग कीजिए।

(ङ.) छोटे भाई की लापरवाही देखकर बड़े भाई ने उसे .... । (उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

खण्ड - ग

प्रश्न 7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए। 5×1=5

तताँरा एक नेक और मददगार व्यक्ति था। सदैव दूसरों की सहायता के लिए तत्पर रहता। अपने गाँववालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना अपना परम कर्त्तव्य समझता था। उसके इस त्याग की वजह से वह चर्चित था। सभी उसका आदर करते। लोग मुसीबत के वक्त में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता। दूसरे गाँवों में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। उसका व्यक्तित्व तो आकर्षक था ही, साथ ही आत्मीय स्वभाव की वजह से लोग उसके करीब रहना चाहते। पारंपरिक पोशाक के साथ वह अपनी कमर में सदैव एक लकड़ी की तलवार बाँधे रहता। लोगों का मत था, बावजूद लकड़ी की होने पर, उस तलवार में अद्‌भुत दैवीय शक्ति थी। तताँरा अपनी तलवार को कभी अलग न होने देता। उसका दूसरों के सामने उपयोग भी न करता। किंतु उसके चर्चित साहसिक कारनामों के कारण लोगबाग तलवार में अद्‌भुत शक्ति का होना मानते थे। तताँरा की तलवार एक विलक्षण रहस्य थी।

(क) 'अपने गाँववालों को ही नहीं, अपितु समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना वह परम कर्त्तव्य समझता था। लोग मुसीबत के वक्त में उसे स्मरण करते और वह भागा-भागा वहाँ पहुँच जाता।' कथन के माध्यम से ज्ञात होता है कि तताँरा था। (1)
- *(i)* आत्मीय स्वभाव वाला, परोपकारी, कर्त्तव्यनिष्ठ
- *(ii)* साहसी, परोपकारी, दृढ़निश्चयी
- *(iii)* विलक्षण प्रतिभा का धनी, समाज सुधारक, साहसी
- *(iv)* कर्त्तव्यनिष्ठ, संकीर्णहृदय, आत्मीय स्वभाव

(ख) तताँरा अपना परम कर्त्तव्य क्या समझता था? (1)
- *(i)* दूसरों की सहायता करना
- *(ii)* अपने गाँववालों की सेवा करना
- *(iii)* समूचे द्वीपवासियों की सेवा करना
- *(iv)* अपनी तलवार की रक्षा करना

(ग) दूसरे गाँवों में भी पर्व-त्योहारों के समय उसे विशेष रूप से आमंत्रित किया जाता। यह दर्शाता है, तताँरा के प्रति गाँववालों का (1)
- *(i)* मैत्रीभाव
- *(ii)* कर्त्तव्यबोध
- *(iii)* आदर भाव
- *(iv)* अवलोकन

(घ) **कथन** (A) दूसरे गाँव के लोग तताँरा का सम्मान करते थे। (1)
कारण (R) समूचे द्वीपसमूह में उसकी तलवार का आतंक था।

कूट
- *(i)* कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।
- *(ii)* कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
- *(iii)* कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, लेकिन कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
- *(iv)* कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(ङ) तताँरा के चर्चित व साहसिक कार्य का श्रेय गाँववाले किसे देते थे? (1)
- *(i)* तताँरा की तीव्र बुद्धि को
- *(ii)* तताँरा की माता को
- *(iii)* तताँरा की तलवार को
- *(iv)* तताँरा के स्वभाव को

प्रश्न 8. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 - 30 शब्दों में लिखिए : (3×2 = 6)

(क) वर्तमान समय में प्राणी-मात्र से प्रेम करने वाले व्यक्ति अत्यंत सीमित हो गए हैं। मनुष्य को पशु-पक्षियों से तो दूर मनुष्यों से भी प्रेम नहीं रह गया है, परंतु सुलेमान सहृदय बादशाह थे। 'अब कहाँ दूसरे के दुःख से दुःखी होने वाले' पाठ के आधार पर सुलेमान के व्यक्तित्व की विशेषता लिखिए।

P.T.O.

(ख) तताँरा व वामीरो छिप-छिपकर कहाँ मिलते थे और दोनों का संबंध संभव क्यों नहीं था ?

(ग) 'डायरी का एक पन्ना' पाठ में जुलूस और ध्वजारोहण को रोकने के लिए पुलिस ने क्या किया ?

(घ) वज़ीर अली किस तथ्य से परिचित हो गया था तथा उसके जीवन का क्या उद्देश्य था ? 'कारतूस' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

प्रश्न **9.** *निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।* 5×1=5

कर चले हम फिदा जान-ओ-तन साथियों
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों
साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई
फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया
कट गए सर हमारे तो कुछ गम नहीं
सर हिमालय का हमने न झुकने दिया
मरते-मरते रहा बाँकपन साथियों
अब तुम्हारे हवाले वतन साथियों।

(क) 'मरते-मरते रहा बाँकपन साथियों' से तात्पर्य है (1)
(i) अंतिम साँस तक साहस से शत्रुओं का सामना किया *(ii)* मरते-मरते मार्ग से विचलित हो गए
(iii) शरीर में बाँकपन आ गया *(iv)* इनमें से कोई नहीं

(ख) सैनिकों ने साँसें रुकने और नब्ज़ जमने पर भी क्या नहीं रोका? (1)
(i) गीत गाना *(ii)* अपने कदम आगे बढ़ाना
(iii) दुश्मनों को खोजना *(iv)* युद्ध करना

(ग) युद्ध भूमि में सैनिकों का सिर कट जाने पर भी उन्हें किस बात का गर्व है? (1)
(i) हिमालय पर्वत के सिर को झुकने नहीं दिया
(ii) देश के मान-सम्मान को ठेस नहीं लगने दी
(iii) मरते समय भी मन में बलिदान व संघर्ष का जोश बना रहा
(iv) उपर्युक्त सभी

(घ) मरते समय सैनिकों के मन में क्या बना रहा? (1)
(i) भय और आतंक का भाव *(ii)* बलिदान और संघर्ष का जोश
(iii) राष्ट्र के गुलाम होने का विचार *(iv)* अन्य साथियों से बिछड़ने का दु:ख

(ङ) **कथन** (A) सैनिक युद्ध भूमि में देश की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर देते हैं।
कारण (R) सैनिकों के लिए देश की रक्षा करना सबसे बड़ा कर्त्तव्य है। (1)
(i) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ii) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।
(iii) कथन (A) और कारण R दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(iv) कथन (A) और कारण R दोनों सही हैं, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

प्रश्न 10. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिए- (3×2=6)

(क) कबीर के अनुसार, मनुष्य को अहंकार व कटु वचन त्यागकर कैसे वचन बोलने चाहिए और क्यों ?

(ख) मनुष्य को किस बात का अभिमान नहीं करना चाहिए ? 'मनुष्यता' कविता के आधार पर बताइए।

P.T.O.

(ग) 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में कवि ने बादलों से पर्वत के छिप जाने पर क्या कल्पना की है ?

(घ) 'पद' कविता के पहले पद में मीरा ने हरि से अपनी पीड़ा हरने की विनती किस प्रकार की है ?

प्रश्न 11. पूरक पुस्तक 'संचयन' पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में लिखिए- (2×3 = 6)

(क) हरिहर काका द्वारा घर छोड़कर ठाकुरबारी चले जाने पर घर के सदस्यों पर क्या प्रभाव हुआ ? उनकी ठाकुरबारी से घर वापसी किस प्रकार हुई ? पाठ के आधार पर वर्णन कीजिए।

(ख) हेडमास्टर शर्मा जी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के किन सिद्धांतों के पक्षधर थे ? 'सपनों के-से-दिन' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) "नौवीं कक्षा में दो बार अनुत्तीर्ण होने पर टोपी अपने परिवार एवं सहपाठियों के साथ-साथ शिक्षकों के लिए भी उपहास का पात्र बन गया था।" नौवीं कक्षा में दो बार अनुत्तीर्ण हो जाने वाले टोपी की भावनात्मक परेशानियों को देखते हुए शिक्षा व्यवस्था में किए जाने वाले आवश्यक बदलावों हेतु अपने शब्दों में कुछ सुझाव लिखिए।

खण्ड - घ

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से किन्हीं एक विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए- (1×5 = 5)

(क) विज्ञान: हमारे जीवन का आधार
- विज्ञान का जीवन में स्थान
- विज्ञान के लाभ व हानि
- सही दिशा में उपयोग

(ख) वन संपदा

- वनों की आवश्यकता • वनों के अप्रत्यक्ष लाभ
- वन संरक्षण : हमारा कर्तव्य

(ग) आज की बचत कल का सुख

- बचत का अर्थ • बचत का कारण
- वर्तमान और भविष्य को सुरक्षित करना • उपसंहार

प्रश्न 13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लिखिए —

आप किसी पत्रिका के नियमित ग्राहक बनना चाहते हैं। पत्रिका के प्रकाशक को 100 शब्दों में पत्र लिखकर पूछिए कि पत्रिका का वार्षिक मूल्य क्या है और बताइए कि आपको वह पत्रिका क्यों पसंद है? (1×5 = 5)

अथवा

अपने विद्यालय में संदर्भ पुस्तकों के अभाव की ओर विद्यालय के प्रधानाचार्य का ध्यान आकृष्ट कराते हुए पुस्तकालय में उक्त पुस्तकों की आपूर्ति हेतु एक प्रार्थना-पत्र लिखिए।

प्रश्न 14. आप डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, हिसार, हरियाणा के छात्र/छात्रा सीमा/ असीम सहाय हैं। 'पर्यावरण बचाओ' नामक संगठन में शामिल होने के लिए विद्यार्थियों से अपील करते हुए 60 शब्दों में सूचना लिखिए। (1×5 = 5)

अथवा

आप पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन अधीक्षक राजीव कुमार हैं। विलंब से ट्रेन चलने की सूचना लगभग 60 शब्दों में लिखिए।

P.T.O.

प्रश्न 15. किसी राज्य के पर्यटन विभाग की ओर से राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक विज्ञापन 40 शब्दों में लिखिए। (1×5 = 5)

अथवा

योग दिवस पर लगभग 40 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।

प्रश्न 16. आपको और आपकी कक्षा के अन्य कुछ छात्रों को विद्यालय में खेलने का अवसर नहीं मिलता। प्रधानाचार्य को इसके लिए लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखकर इस समस्या पर चर्चा कीजिए और एक उपाय भी सुझाइए। (1×5 = 5)

अथवा

'बीता हुआ समय वापस नहीं आता' पंक्ति को आधार बनाकर लगभग 100 शब्दों में एक लघुकथा लिखिए।

दिल्ली-पब्लिक-स्कूल, भिलाईनगरम्

Name : .....

Roll No. : .....

दिनाङ्कः - 23.09.2024 | आदर्शप्रश्नपत्रम् – 2024 | समयः - होरात्रयम्

कक्षा - दशमी | विषयः - संस्कृतम् | पूर्णाङ्काः - 80

(1) अस्मिन् प्रश्नपत्रे चत्वारः खण्डाः सन्ति।
(2) प्रश्नपत्रेऽस्मिन् 18 प्रश्नाः सन्ति।
भागः 'क' : प्रश्नसंख्या 1 भागः 'ख' : प्रश्नसंख्या 2 – 4
भागः 'ग' : प्रश्नसंख्या 5 – 11 भागः 'घ' : प्रश्नसंख्या 12 – 18
(3) यथानिर्देशं प्रश्नाः समाधेयाः।
(4) उत्तरपुस्तिकायाम् उत्तरलेखनात् पूर्वं प्रश्नक्रमांकः अवश्यं लेखनीयः।
(5) प्रश्नानां निर्देशाः ध्यानेन अवश्यं पठनीयाः।

भागः 'क' अपठितावबोधनम् — 10 अङ्काः

प्रश्न 1. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत – **(10)**

'विमानयात्रा सुखदा' इति जनाः कथयन्ति। विमानयात्रां प्रति जनेषु उत्सुकता दृश्यते। गतसप्ताहे वाराणसीनगरे भाषाशिक्षणस्य विशिष्टः कार्यक्रमः सम्पन्नः जातः। एषः कार्यक्रमः राष्ट्रियः एव। तत्र शिक्षकेण सह दिल्लीतः वाराणसीनगरं विमानेन एव यात्रा जाता। एषः मम् उड्डयनयानस्य प्रथमः अनुभवः आसीत्। विमानपत्तन-प्रवेशसमये किञ्चिद् औपचारिकं सुरक्षापरीक्षणं जातम्। यदा विमानस्य उड्डयनकालः जातः तदा विमानपरिचारिका यात्रिणः सुरक्षानियमानां विषये अवदत्। सर्वे यात्रिणः तान् सुरक्षानियमान् ज्ञात्वा सावधानाः सञ्जाताः। अल्पकालेन एव विमानम् आकाशे उड्डीयमानम् आसीत्। परिचारिका सस्मितं मधुरवचसा यात्रिभ्यः भोजनं प्रदत्तवती। परिचारिकायाः व्यवहारः अपि अतीव विनम्रः आसीत्। अन्ततः विमानं शीघ्रमेव वाराणसीनगरं प्राप्नोत्। विमानाद् अवतीर्य इष्टस्थानं प्राप्तवन्तौ। एषा विमानयात्रा अनुभवेन सह चिरस्मरणीया जाता।

(I) एकपदेन उत्तरत – (केवलं प्रश्नद्वयम्) **(2x1=2)**
(i) केषु उत्सुकता दृश्यते ?
(ii) भाषाशिक्षणस्य कार्यक्रमस्य कुत्र सम्पन्नः जातः ?
(iii) विमानयात्रा अनुभवेन सह कीदृशी सह कीदृशी जाता ?

(II) पूर्णवाक्येन उत्तरत – (केवलम् प्रश्नद्वयम्) **(2x2=4)**
(i) परिचारिकायाः व्यवहारः कीदृशः आसीत् ?
(ii) विमानपत्तन-प्रवेशसमये किं जातम् ?
(iii) सर्वे यात्रिणः कान् ज्ञात्वा सावधानाः अभवन् ?

(III) यथानिर्देशं उत्तरत – (केवलं प्रश्नत्रयम्) **(3x1=3)**
(i) 'अवदत्' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं गद्यांशे किम् ?
(क) अहम् (ख) विमानपरिचारिका (ग) शिक्षकेण (घ) सह
(ii) 'विशिष्टः' इति विशेषणपदस्य विशेष्यपदं किम् ?
(क) कार्यक्रमः (ख) सुखदा (ग) जनाः (घ) अतीव
(iii) 'गगने' इति पदस्य गद्यांशे किं पर्यायपदं प्रयुक्तम् ?
(क) अनुभवेन (ख) विमानस्य (ग) आकाशे (घ) नगरे
(iv) 'दुःखदा' इति पदस्य गद्यांशे किं विलोमपदं प्रयुक्तम् ?
(क) जाता (ख) सुखदा (ग) राष्ट्रियः (घ) यात्रा

(IV) अस्य अनुच्छेदस्य कृते उपयुक्तं शीर्षकं संस्कृतेन लिखत – **(1x1=1)**

'ख' भागः रचनात्मककार्यम् — 15 अङ्काः

2. भवान् प्रणवः, भवतः विद्यालये स्वतन्त्रतादिवसस्य समारोहः भवति। समारोहं वर्णयन् स्वमित्रं सुधाकरं प्रति लिखितं पत्रं मञ्जूषायां प्रदत्तपदैः पूरयित्वा पुनः लिखत – **(10 x ½ =5)**

डी.पी.एस. छात्रावासः

(i) _____

प्रिय मित्र (ii) _____

अत्र (iii) _____ तत्रास्तु। अस्माकं विद्यालये (iv) _____ स्वतन्त्रतादिवसस्य आयोजनं (v) _____ । तत्र विद्यालयस्य प्रधानाचार्यः (vi) _____ कृतवान्। अस्मिन् अवसरे सर्वे (vii) _____ अभवन्। मञ्चे एका (viii) _____ अपि प्रस्तुता। अहं कार्यक्रमे एकं देशभक्तिगीतम् अगायम्। अन्ते सर्वे छात्राः मिलित्वा (ix)_____ अगायन्। तत्पश्चात् सर्वेभ्यः मिष्ठान्नस्य वितरणं च अभवत्।

मातापितृभ्याम् (x)_____ प्रणामाः।

भवतः मित्रम्

प्रणवः

मञ्जूषा –

मम	नृत्यनाटिका	राष्ट्रगीतम्	कुशलं	भिलाईतः
गतसप्ताहे	सुधाकर!	अभवत्	गर्वान्विताः	ध्वजारोहणम्

Contd...2

3. प्रदत्तं चित्रं दृष्ट्वा मञ्जूषायां प्रदत्तशब्दानां सहायतया पञ्चवाक्यानि संस्कृतेन लिखत – (1x5=5)

मञ्जूषा –

उद्यानम् , बालः , वृक्षः , पादपः , प्रातः , खगः , पुष्पाणि , कन्दुकम् , क्रीडा , भ्रमणम् , सूर्यः , क्रीडति , भ्रमतः , कुरुतः , उदयति , भ्रमतः

अथवा

"वृक्षाणां महत्त्वम्" इति विषयम् अधिकृत्य मञ्जूषापदसहायतया पञ्चवाक्यानि संस्कृतभाषायां लिखत –

मञ्जूषा –

फलानि , मित्राणि , औषधं , रक्षकाः , प्राणवायुं , छाया , काष्ठानि , पर्यावरणस्य , प्रकृतेः , यच्छन्ति , शोभा

4. अधोलिखितां कथां मञ्जूषायाः सहायतया पूरयित्वा पुनः लिखत – (½ x10=5)

एकस्मिन् (i)_____ एकः विशालः वृक्षः आसीत्। तस्मिन् (ii) _____ खगाः वसन्ति स्म। एकदा ते अतीव (iii)_____ आसन्। अतः भोजनं (iv)_____ इतस्ततः भ्रमन्ति स्म। ते दूरं-दूरं गच्छन्ति स्म अन्ते च एकस्मिन् क्षेत्रे (v)_____अपश्यन्। ते तत्र गत्वा प्रसन्नतया तण्डुलान् खादन्ति स्म। परन्तु (vi)_____ बद्धाः अभवन्। अधुना किं करणीयम् इति (vii)_____ ते सर्वे जालेन सह एव एकं (viii)_____उपागच्छन्। तेषां मित्रम् एकः मूषकः आसीत्। सः जालं (ix)_____अकर्तयत्। अन्ते सर्वे स्वतन्त्राः भूत्वा अनृत्यन् अगायन् च – सुखं तु (x)_____ एव विद्यते।

मञ्जूषा –

एकतायाम् , चिन्तयित्वा , बहवः , बुभुक्षिताः , खादितुम् , स्वामित्रम् , वने , स्वदन्तैः , तण्डुलकणान्, जालेन

अथवा

रिक्तस्थानानि पूरयित्वा अधोलिखितं संवादं पुनः लिखत – (1x5=5)

छात्रा – आचार्य! नमो नमः।
योगाचार्यः – शुभमस्तु (i) .....
छात्रा – मम नाम अनुप्रिया अस्ति। योगशिक्षां प्रति मम रुचिः अस्ति।
योगाचार्यः – शोभनम् (ii) .....
छात्रा – अहम् दशमकक्षायां पठामि। आचार्य! (iii).....
योगाचार्यः – योगः तु सर्वेभ्यः एव लाभकरः। विद्याध्ययने योगशिक्षा उपयोगिनी एव।
छात्रा – मया श्रुतं यद् अधुना सम्पूर्ण-विश्वे योगदिवसः मान्यते।
योगाचार्यः – (iv) .....
छात्रा – मम अनुजः किञ्चिद् अस्वस्थः वर्तते। किं तस्य कृते अपि योगः लाभकरः ?
योगाचार्यः – (v)_____ ।

मञ्जूषा –

(i)	आम् , स्वास्थ्याय योगः अनिवार्यः अतः तेन अपि योगः करणीयः।
(ii)	भवत्याः नाम् किम्
(iii)	किं योगः छात्राणां कृते उपयोगी अस्ति ?
(iv)	भवती कस्यां कक्षायां पठति ?
(v)	सम्यक् श्रुतं त्वया, जूनमासस्य एकविंशति–तमे दिवसे प्रतिवर्षं अन्ताराष्ट्रिय–योगदिवसः मन्यते।

भागः 'ग' अनुप्रयुक्तव्याकरणम् 25 अङ्काः

5. रेखाङ्कित.तपदेषु सन्धिं सन्धिविच्छेदं वा कुरुत – (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्) – (4x1=4)

(i) एक + एकपक्षे ग्रथितं मणीनां तथापि काको न तु राजहंसः।
(ii) क्षयमायाति सञ्चयात्।
(iii) त्वम् इन्द्रियाणि + आदौ नियमनं कुरू।
(iv) षडेते पाठकगुणाः कथिताः।
(v) गङ्गाजलं पवित्रं भवति।

Contd...3

6. अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कि.तपदानां समासं विग्रहं वा विकल्पेभ्यः चित्वा लिखत – (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्) – **(4x1=4)**

(i) न पूर्वः कोशः विद्यते तव भारति!
(क) नपूर्वः (ख) अपूर्वः (ग) अनपूर्वः (घ) अपर्णा

(ii) नास्ति सत्यसमं तपः।
(क) सत्येन समं (ख) सत्यायै समः (ग) सत्य समः (घ) सत्यं समं

(iii) बकः च हंसः च तयोः को भेदः ?
(क) बकहंसयोः (ख) हंसबकायौ (ग) हंसबकौ (घ) बकहंसाः

(iv) सर्वेषां महत्त्वं विद्यते यथासमयम्।
(क) समयम् यथा (ख) समयस्य अतिक्रमण (ग) समयम् अनतिक्रम्य (घ) अति समयः

(v) ततः व्यासनारदौ प्रविशतः।
(क) व्यासः च नारदः च (ख) नारदः व्यासः च (ग) नारदः व्यासौ च (घ) नारदः च व्यासः

7. अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कि.तपदानां प्रकृति-प्रत्ययौ संयोज्य विभज्य वा उचितम् उत्तरं विकल्पेभ्यः चित्वा लिखत – (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्) – **(4x1=4)**

(i) इयं सृष्टिः अति सौन्दर्यमयी अस्ति।
(क) सौन्दर्यमय + ङीप् (ख) सौन्दर्यमयि + ई (ग) सुन्दरमई + ङीप् (घ) मयीसौन्दर्य + ङीप्

(ii) राजहंसः हंस + ङीप् च विहरतः।
(क) हंसौ (ख) हंसी (ग) हंसिनि (घ) हंसो हंसः

(iii) सर्वदा शारदा अस्माकं वदनाम्बुजे निवासं कुर्यात्।
(क) सर्व + टाप् (ख) सर्वद + टाप् (ग) सर्वदा + आ (घ) सर्व + आ

(iv) रमणीय + टाप् हि सृष्टिः एषा।
(क) रमणीयाः (ख) रामणीय (ग) रमणीया (घ) रमणीया

(v) विद्वांसः मङ्ग.ल + ठक् श्लोकान् पठन्ति।
(क) माङ्ग.लिकान् (ख) मङ्ग.लिकः (ग) माङ्ग.लिकी (घ) माङ्ग.लिकाः

8. वाच्यानुसारं उचितपदैः रिक्तस्थानानि पूरयित्वा अधोलिखितं संवादं पुनः लिखत – (केवलं प्रश्नत्रयम्) **(3x1=3)**

अर्चितः – सृष्टे! किं त्वं गणितविषयं (i) ..... ?
सृष्टिः – आम्, (ii) ..... गणितविषयः पठ्यते।
अर्चितः – किं त्वं गणितस्य सूत्राणि स्मरसि ?
सृष्टिः – मया गणितस्य (iii) ..... न स्मर्यन्ते।
अर्चितः – तदा विद्यालये अध्यापकः सम्यक् एव पाठयति।
सृष्टिः – आम्! (iv) ..... सम्यक् पाठ्यते।

मञ्जूषा –

अध्यापकेन ,	सूत्राणि ,	पठसि ,	मया

9. कालबोधकशब्दैः अधोलिखित–दिनचर्यां पूरयत – (केवलं प्रश्नत्रयम्) **(3x1=3)**

(i) विद्यालये 7.00 ..... वादने प्रार्थनासभा भवति।
(ii) तदा 9:45 ..... वादने भोजनावकाशः भवति।
(iii) मध्याह्ने 12:30 ..... वादने क्रीडाः भवन्ति।
(iv) अपराह्ने 1:15 ..... वादने छात्राः गृहं गच्छन्ति।

10. मञ्जूषायां प्रदत्तैः उचितैः अव्ययपदैः अधोलिखितवाक्येषु रिक्तस्थानानि पूरयत–(केवलं प्रश्नचतुष्टयम्) **(4x1=4)**

(i) ..... वारणावते त्वमेव पाण्डवान् रक्षितवान्।
(ii) समन्तात् वर्धमानाः प्रचण्डानलशिखाः आकाशं लिहन्ति ..... ।
(iii) अत्र तु ग्रन्थचक्रिका ..... अस्ति।
(iv) अश्वाः प्राणत्राणाय ..... अधावन्।
(v) अहम् ..... अत्र वृष्टेः अभिनन्दनं करोमि।

मञ्जूषा –

अपि ,	एव ,	पुरा ,	इव ,	इतस्ततः

11. अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कि.तपदाय उचितं पदं चित्वा वाक्यानि पुनः लिखत – (केवलं प्रश्नत्रयम्) **(3x1=3)**

(i) अहं तु वनं गच्छति। (क) गच्छामि (ख) गच्छसि (ग) गच्छावः (घ) गच्छतः

(ii) मनो दुर्निग्रहं चला। (क) चलः (ख) चलम् (ग) चलन्ति (घ) चलन्

(iii) श्वः अहं रायपुरम् गच्छामि। (क) अगच्छम् (ख) गच्छथः (ग) गमिष्यामि (घ) गमिष्यति

(iv) ते बालकौ पठतः। (क) सः (ख) तौ (ग) तम् (घ) तान्

Contd...4

'घ' भागः पठितावबोधनम्

30 अङ्काः

12. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत – **(5)**

अथ कदाचित् दानशालासु विचरन् स राजा बहुधनलाभेन सन्तुष्टानाम् अर्थिनां विरलसंख्यां विलोक्य अचिन्तयत् 'मम अर्थिनः तु धनलाभमात्रेण सन्तोषं भजन्ते।' नूनं ते दानवीराः सौभाग्यशालिनः यान् याचकाः शरीरस्य अङ्गानि अपि याचन्ते। एवं राज्ञि स्वेषु गात्रेष्वपि निरासक्तिं विज्ञाय सकलं ब्रह्माण्डं व्याकुलं सञ्जातम्।

(I) एकपदेन उत्तरत – (केवलं प्रश्नद्वयम्) **(2x½=1)**

(i) राजा कुत्र विचरन् आसीत् ?
(ii) के सौभाग्यशालिनः आसन् ?
(iii) सकलं ब्रह्माण्डं कीदृशं जातम् ?

(II) पूर्णवाक्येन उत्तरत – (केवलं प्रश्नद्वयम्) **(2x1=2)**

(i) विरलसंख्यां विलोक्य राजा किम् अचिन्तयत् ?
(ii) दानशालासु कः विचरन् आसीत् ?
(iii) दानवीराः कीदृशाः आसन् ?

(III) निर्देशानुसारम् उत्तरत – (केवलं प्रश्नद्वयम्) **(2x1=2)**

(i) 'देहस्य' इति पदस्य किं पर्यायपदं गद्यांशे आगतम् ?
(ii) 'याचन्ते' क्रियापदस्य कर्तृपदं किम् ?
(iii) 'सौभाग्यशालिनः' इति पदस्य किं विशेष्यपदं प्रयुक्तम् ?

13. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत – **(5)**

चञ्चलं हि मनः कृष्ण प्रमाथि बलवद्दृढम्।
तस्याहं निग्रहं मन्ये वायोरिव सुदुष्करम्।।

(I) एकपदेन उत्तरत – (केवलं प्रश्नद्वयम्) **(2x½=1)**

(i) मनः कीदृशम् अस्ति ?
(ii) बलवद्दृढम् किम अस्ति ?
(iii) प्रमाथि किम् अस्ति ?

(II) पूर्णवाक्येन उत्तरत – (केवलं प्रश्नद्वयम्) **(2x1=2)**

(i) मनसः निग्रहं कस्य इव सुदुष्करम् ?
(ii) कस्य निग्रहं कठिनम् अस्ति ?
(iii) चञ्चलं किम् अस्ति ?

(III) निर्देशानुसारम् उत्तरत – (केवलं प्रश्नद्वयम्) **(1x2=2)**

(i) "मन्ये" इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम् ?
(ii) "पवनस्य" इत्यस्य किं पर्यायपदं श्लोके आगतम् ?
(iii) "चञ्चलं" इत्यस्य विशेष्यपदं श्लोकात् चित्वा लिखत ?

14. अधोलिखितं नाट्यांशं पठित्वा प्रदत्तप्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतेन लिखत – **(5)**

बकः – (प्रविश्य, स्वपक्षौ अवधूय) कथं माम् अपि अधिक्षिपसि ? किं ते महत्त्वम् ? वर्षर्तौ तु मानसं पलायसे। अहं एव अत्र वृष्टेः अभिनन्दनं करोमि। कीदृशी तव मैत्री ? आपात्काले सरांसि त्यक्त्वा दूरं व्रजसि। वस्तुतः अहमेव शीतले जले बहुकालपर्यन्तं अविचलं ध्यानमग्नः 'स्थितप्रज्ञ' इव तिष्ठामि। दुग्धधवलाः मे पक्षाः। न जाने कथं माम् अपिरगणयन्तः जनाः चित्रवर्णम् अहिभुजं मयूरं राष्ट्रपक्षी इति मन्यन्ते अहमेव योग्यः .....

मयूरः – (प्रविश्य साट्टहासम्) सत्यं सत्यम्। अहमेव राष्ट्रपक्षी। को न जानाति तव ध्यानावस्थां ? मौनं धृत्वा वराकान् मीनान् छलेन अधिगृह्य क्रूरतया भक्षयसि। धिक् त्वाम्। अवमानितं खलु सर्वं पक्षिकुलं त्वया।

काकः – रे सर्पभक्षका! नर्तनात् अन्यत् किम् अपरं जानासि ?

(I) एकपदेन उत्तरत – (केवलं प्रश्नद्वयम्) **(2½x =1)**

(i) कः एव राष्ट्रपक्षी ?
(ii) राजहंसः कदा मानसं पलायनं करोति ?
(iii) कः वराकान् मीनान् भक्षयति ?

(II) पूर्णवाक्येन उत्तरत – (केवलं प्रश्नद्वयम्) **(2x1=2)**

(i) काकः मयूरं किं कथयति ?
(ii) बकः शीतले जले बहुकालपर्यन्तं कथं तिष्ठति ?
(iii) जनाः कीदृशं मयूरं राष्ट्रपक्षी मन्यन्ते ?

Contd...5

(III) निर्देशानुसारम् उत्तरत – (केवलं प्रश्नद्वयम्) **(2x1=2)**

(i) "मत्स्यान्' इति पदस्य किं पर्यायपदं गद्यांशे आगतम् ?

(ii) "करोमि" इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किं अत्र प्रयुक्तम् ?

(iii) 'मयूरम्' इत्यस्य किं विशेषणपदं प्रयुक्तम् ?

15. रेखाङ्कि.तपदानि आधृत्य प्रश्ननिर्माणं कुरुत – (केवलं पञ्चप्रश्नाः) **(5x1=5)**

(i) मधुरभाषिणी वाणी पुरुषं प्रह्लादयति।

(ii) राजा बाल्यात् एव शास्त्रपारङ्ग.तः आसीत्।

(iii) ततः प्रकृतिमाता प्रविशति।

(iv) मयूरस्य नृत्यं प्रकृतेः आराधना।

(v) सूर्योदये तमः नश्यति।

(vi) ज्वलन् मेषः अश्वशालां प्रविशति।

16. मञ्जूषातः समुचितपदानि चित्वा अधोलिखितस्य श्लोकस्य अन्वयं पूरयित्वा पुनः लिखत – **(4x½=2)**

अनुद्वेगकरं वाक्यं सत्यं प्रियहितं च यत्।
स्वाध्यायाभ्यसनं चैव वाङ्मयं तप उच्यते।।

अन्वयः – यत् (i) _____ अनुद्वेगकरं सत्यं प्रियहितं च (तथा)
(ii) _____ अभ्यसनं च (iii) _____ वाङ्मयं (iv) _____ उच्यते।।

मञ्जूषा –

स्वाध्याय ,	वाक्यं ,	तप ,	एव

अथवा

मञ्जूषायाः साहाय्येन श्लोकस्य भावार्थे रिक्तस्थानानि पूरयित्वा तं पुनः लिखत – **(4x½=2)**

कलहान्तानि हर्म्याणि कुवाक्यान्तं च सौहृदम्
कुराजान्तानि राष्ट्राणि कुकर्मान्तं यशो नृणाम्।।

भावार्थ : – विवादैः (i) _____ नश्यन्ते। (ii) _____ अपभाषणेन वा मैत्री नश्यते। एवमेव दुष्टनृपैः राष्ट्राणि (iii) _____ कुकर्मणा च मनुष्याणाम् (iv) _____ विनष्टं गच्छति।

मञ्जूषा –

यशः ,	राजभवनानि ,	कुवाक्यैः ,	नश्यन्ते

17. अधोलिखितवाक्येषु रेखाङ्कि.तपदानां प्रसङ्गानुकूलम् उचितार्थं चित्वा लिखत – (केवलं प्रश्नचतुष्टयम्) **(4x1=4)**

(i) मेषः महानसं प्रविश्य यत् पश्यति तद् भक्षयति।
(क) पाकशालां (ख) पाठशालां (ग) नृत्यशालां (घ) महत् आसनं

(ii) अलं अलम् मिथः कलहेन।
(क) मिथ्या (ख) परस्परम् (ग) मिथुनः (घ) मथनशीलः

(iii) राजा सरोवरस्य समीपे विहरति।
(क) नगरस्य (ख) नद्याः (ग) तडागस्य (घ) कूपस्य

(iv) राजा दग्धां हयशालां विज्ञाय वैद्यान् आहूय अपृच्छत्।
(क) गोशाला (ख) अश्वशालां (ग) पाठशाला (घ) पाकशाला

(v) तस्मात् त्वम् आदौ इन्द्रियाणि नियम्य पाप्मानं प्रजहि।
(क) रात्रौ (ख) दिवसे (ग) सर्वप्रथमम् (घ) यदा-कदा

18. अधोलिखितां कथां मञ्जूषापदैः रिक्तस्थानानि पूरयित्वा पुनः लिखत – **(8x½=4)**

एकस्मिन् नगरे (i) _____ नाम राजा वसति स्म। तस्य पुत्राः वानरैः सह क्रीडन्ति स्म। तेभ्यः (ii) _____ च यच्छन्ति स्म। तत्रैव एकं मेषयूथं आसीत्। मेषस्य सूपकाराणां मध्ये कलहं (iii) _____ यूथपतिः कपीन् राजगृहं व्यक्तुं अवदत्। यूथपतिः एकाकी एव वनम् अगच्छत् यतः ते कपयः (iv) _____ त्यक्तुं न इच्छन्ति स्म । यदा सः मेषः महानसं प्रविशति तदा सः सूपकारेण अर्धज्वलितेन (v) _____ ताडितः। ऊर्णाप्रचुरस्य मेषस्य भूमौ प्रलुठतः तृणेषु वह्निज्वालाः समुत्थिताः। ज्वालमालाकुलाः अश्वाः अधावन्। तेषु केचन (vi) _____ । वैद्येन उक्तं यत्-कपिमेदसा एव दाहदोषस्य नाशः (vii) _____ । भयत्रस्ताः कपयः अचिन्तयन् यत्-अस्माभिः (viii) _____ अवधीरिताः।

मञ्जूषा –

भोजनं	चन्द्रः	काष्ठेन	स्वर्गसमानोपभोगान्
दग्धाः	भविष्यति	गुरुजनोपदेशाः	दृष्ट्वा